भारतीय डाक विभाग
Department of Posts
India

भारत में यकृत प्रत्यारोपण
LIVER TRANSPLANTATION IN INDIA

विवरणिका BROCHURE

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

जारी करने की तारीख	:	4 नवम्बर, 2014
Date of Issue	:	4 November, 2014
मूल्यवर्ग	:	500 पै.
Denomination	:	500 p
मुद्रित डाक–टिकटें	:	6 लाख*
Stamps Printed	:	0.6 Million*
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक–टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

*1 लाख प्रस्तावक हेतु
*0.1 Million for the proponent

मूल्य ₹ 5.00

LIVER TRANSPLANTATION IN INDIA

The only definite treatment for liver failure is a liver transplantation. During a liver transplant, the diseased liver is removed and replaced with a healthy one.

The first successful Liver Transplantation was performed on a child in 1967. Since then, there has been tremendous progress in the complicated process of liver transplantation, which in 1983 was confirmed to be a valid procedure in cases of end stage liver disease (ESLD), in a consensus by the National Institutes of Health. The first successful liver transplantation in India was performed at Indraprastha Apollo Hospital on 15th November, 1998 in New Delhi.

The liver performs various functions that are essential for the well being of the body. Two types of liver transplant are possible: living donor transplant and cadaveric transplant. In living donor transplant, a portion of the liver is removed from a healthy person and placed into the patient. Since the liver has the capacity to regenerate, both the donor and the recipient liver portions grow to a normal size in a few weeks. In a cadaveric transplant the donor is a brain dead person.

The development of effective immuno-suppressive drugs and the refinement of surgical procedures have improved long-term success of liver transplantation. Liver transplantation currently is the only effective and acceptable option for treatment of various liver diseases both in adults and children.

Within the span of these last 15 years, approximately 4500 Liver Transplants have been done in India. This remarkable foray into organ transplantation has made India a global leader in the field by providing access to high quality and affordable transplant program.

Department of Posts commemorates the occasion of 15 years of Liver Transplantation in India by releasing a Postage Stamp.

Credits:-

Text : Based on the material furnished by the proponent

Stamp/FDC/ Cancellation : Nenu Gupta

भारत में यकृत प्रत्यारोपण

यकृत के पूर्णतया खराब हो जाने पर एकमात्र निश्चित इलाज यकृत प्रत्यारोपण है। यकृत प्रत्यारोपण की प्रक्रिया में रोगग्रस्त यकृत को हटाकर उसके स्थान पर एक स्वस्थ यकृत लगा दिया जाता है।

पहला सफल यकृत प्रत्यारोपण वर्ष 1967 में एक बच्चे में किया गया था। तब से अब तक, यकृत प्रत्यारोपण की जटिल प्रक्रिया काफी विकसित हुई है। वर्ष 1983 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा एकमत से इस प्रक्रिया को अंतिम अवस्था के यकृत रोग (ईएसएलडी) के मामलों में वैध इलाज के रूप में मान्यता दी थी। भारत में पहला सफल यकृत प्रत्यारोपण 15 नवम्बर, 1998 को नई दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में किया गया था।

यकृत ऐसे विभिन्न कार्य करता है जो शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक हैं। यकृत प्रत्यारोपण दो प्रकार से संभव है: जीवित दानकर्ता के माध्यम से प्रत्यारोपण तथा मृत व्यक्तियों से प्राप्त यकृत का प्रत्यारोपण। जीवित दानकर्ता से लिए गए यकृत के प्रत्यारोपण के मामले में स्वस्थ व्यक्ति के यकृत के भाग को हटाकर उसे रोगी के शरीर में प्रत्यारोपित कर दिया जाता है। चूंकि यकृत में पुनर्विकास की क्षमता होती है, इसलिए दानकर्ता और प्राप्तकर्ता, दोनों के यकृत कुछ ही हफ्तों में सामान्य आकार के हो जाते हैं। मृतक से प्राप्त यकृत प्रत्यारोपण के मामले में, दानकर्ता मस्तिष्क के स्तर पर निष्प्राण (ब्रेन–डेड) व्यक्ति होता है।

प्रतिरक्षा संरोधी (इम्यूनोसप्रेसिव) दवाओं के विकास तथा शल्य–चिकित्सा में सुधार से यकृत प्रत्यारोपण की सफलता अवधि बढ़ी है। वयस्क और बच्चों दोनों में, यकृत की विभिन्न बीमारियों के उपचार के लिए यकृत प्रत्यारोपण फिलहाल एकमात्र कारगर तथा स्वीकार्य विकल्प है।

पिछले 15 वर्षों के दौरान भारत में लगभग 4500 यकृत प्रत्यारोपण किए जा चुके हैं। उच्च गुणवत्ता तथा किफायती प्रत्यारोपण की सुविधा प्रदान कर भारत अंग प्रत्यारोपण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के कारण विश्व स्तर पर एक अग्रणी देश बन गया है।

डाक विभाग भारत में यकृत प्रत्यारोपण के 15 वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक डाक–टिकट जारी करता है।

आभार :–

मूलपाठ : प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री पर आधारित

डाक–टिकट/
प्रथम दिवस आवरण/
विरूपण : नीनू गुप्ता